

आजाद सिपाही



78वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर समस्त झारखण्ड की जनता को मेरी तरफ से हार्दिक बधाई, शुभकामनाएँ

युवा समाज सेवी अजहर इस्लाम

समाज सेवा ही बन गयी पहचान



कार्तिक कमार

पाकुड़ (आजाद सिपाही)। अजहर इस्लाम पाकुड़ के प्रसिद्ध व्यवसायी अली अकबर के बड़े पुत्र हैं। वह हायर एजुकेशन हासिल करने के बाद अपने पिता के कारोबार से जुड़े और उनके काम में हाथ बंटाने लगे। लेकिन कारोबार के साथ-साथ अपने इलाके की गरीबी, पिछड़ापन, बेरोजगारी, स्वास्थ्य और शिक्षा की दुर्दशा को देख अजहर के जेहन में समाज हित में काम करने की जिजासा जगी और फिर गांव के गरीब, असहाय लोगों के बीच पहुंचना शुरू किया। इस क्रम में उनको सुना, उनकी परेशानी को करीब से देखा, समझा, जाना और उन्हें हरसंभव सहयोग करने का सिलसिला शुरू हो गया। अजहर इस्लाम की गरीब-गुरुओं के बीच पहचान एक मसीहा के रूप में होने लगी है। सुबह होते ही जानकी नगर स्थित उनके घर की चौखट पर हजारों हजार की तादाद में लोग पहुंच कर उनसे सहयोग करने की फरियाद करते हैं। बीमारी, गरीबी, बेटियों की शादी, बच्चों की स्कूल फीस भरने की फरियाद करनेवालों की हरसंभव मदद कर उनकी दुआ, शुभकामना, आशीर्वाद इन्हें हासिल हो रहा है। समाज हित के कामों से अब ऊपर उठ करअजहर ने अब पाकुड़ की जनता की आवाज बन कर झारखंड विधानसभा के सदन में जाने का मन बनाया है। इसी लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में हर दिन गांव-गांव, टोले टोले, मोहल्ले के लोगों के बीच पहुंच कर उनसे मिलने-जुलने उनकी समस्याओं के समाधान का ध्येय उन्होंने बना लिया है। जनता की समस्याओं और आकांक्षाओं को पग करने के लिए उन्होंने आणामी

विधानसभा चुनाव में उत्तरने का मन बना लिया है। उनका कहना है कि पाकुड़ की जनता का समर्थन, प्यार और साथ मिला तो पांच साल में वह पाकुड़ की तस्वीर और यहां के लोगों की तकदीर बदल देंगे। यह उनका पाकुड़ के लोगों से वादा है, और मेरे लिए चुनौती भी। अजहर इस्लाम का मानना है कि झारखण्ड अलग राज्य बनने के बाद पाकुड़ को मंत्री का पद, विधानसभा के अध्यक्ष का पद तो मिला, लेकिन पाकुड़ का अपेक्षित विकास नहीं हुआ। बरसात के दिनों में ग्रामीण डिलाकों

में
सड़कों का
यह हाल है कि
घटे भर की बारिश
में गांव टोले का संपर्क
टूट जाता है। मरीजों को
इलाज के लिए ले जाना
आफत हो जाता है, लोगों
का आवागमन बाधित हो
जाता है। पाकुड़ की
पब्लिक अगर हमें एक बार
मौका दे तो पाकुड़ में
चौतरफा विकास कर पाकुड़
को उस मुकाम पर पहुंचा
देंगा, जहाँ उसकी पहचान
सिर्फ़ कोयला, पत्थर के
लिए नहीं, बल्कि दिन
रात मेहनत करके एक
विकसित शहर के रूप में
पाकुड़ की पहचान स्थापित
करेंगे।

A medium shot of a man from the waist up. He has dark hair and is wearing a white button-down shirt with the collar open at the top, paired with dark trousers and a belt. A gold chain with a small pendant hangs around his neck. On his left wrist, he wears a gold watch and a matching gold bracelet. He is looking towards the left of the frame with a neutral expression. The background is a plain, light-colored wall.

पिछले चार सालों के दौरान लोकहित, जनहित और समाज हित में किये गये कामों की संक्षिप्त झलक



- कोरोना काल की महामारी में पीड़ित लोगों के घर तक पहुंच कर ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध कराना।
 - कोरोना काल में आम लोगों को सुरक्षित रहने के लिए गांव-गांव में जाकर मास्क का वितरण करना।
 - कोरोना काल में गांव-गांव में जाकर गरीब और असहाय लोगों के बीच महीने भर की सूखा राशन सामग्री उपलब्ध कराना।
 - कोरोना काल में स्वास्थ्य विभाग के सिविल सर्जन को 2000 मास्क उपलब्ध कराना।
 - कोरोना काल में स्वास्थ्य विभाग को ऑक्सीजन गैस सिलेंडर बड़ी संख्या में उपलब्ध कराना।
 - कोरोना काल में पेट्रोल पांप पर तेल लेने पहुंचे लोगों के बीच मास्क का वितरण कराना।
 - कफाके की ठंड के दिनों में गरीब और असहाय लोगों के बीच पहुंच कर उन्हें कंबल, गर्म कपड़ा वितरण सुनिश्चित करना।
 - सदर अस्पताल में इलाजेत मरीजों के बीच पहुंच कर उन्हें फल, कंबल बांटना, रेलवे स्टेशन, बस स्टैटर्ड में जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण करना।
 - टीवी से ग्रासित करीब 70 मरीजों को अपने खर्चे पर उनका इलाज करा कर उन्हें टीवी की



- पिछले वर्ष सदर ल्काक के गंधाई पूरे गांव में आगजनी के शिकार तकरीबन 70 परिवारों के बीच पहुंच कर उन्हें महीने भर का सुखा राशन, पानी और कपड़ा उपलब्ध कराना।
 - इट पर्व में गरीब परिवारों के बीच नया वक्त, सेवक, निराई, दूध का वितरण कराना।
 - दुर्गा पूजा समिति, गणेश पूजा समिति और दामनवर्गी पूजा समिति को पूजा के सफल आयोजन ने आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराना।
 - अमरपाला में वृद्ध आश्रम निर्माण में कथा वाचक एवं शंकर गाकुर को 50000 की आर्थिक सहायता करायी।



रांची

बुधवार, वर्ष 09, अंक 295

आजाद सिपाही



बांगलादेश में रातभर जाग रहे संताली
कट्टरपथियों के निशाने
पर आदिवासी भी आये

पहले



दिनाजपुर में संताल के वीर शहीद स्वतंत्रता सेनानी सिद्धो-कानू की मूर्ति।

अब



वीर शहीद स्वतंत्रता सेनानी सिद्धो-कानू की मूर्ति को तोड़ दिया गया है।



संताल गांवों में पूरी रात जाग कर पहरेदारी कर रहे हैं लोग।

सुनेद लाल सरेन

दो देश समस्याएं एक। संतालों के संदर्भ में यह बात सही बैठ रही है। बांगलादेश में विंदु ही नहीं, बल्कि संताल और आदिवासी भी महफूज नहीं रहे। बांगलादेश में हुए तख्तापलट के बाद वहां हालात अल्पसंख्यकों के लिए खतरनाक होते जा रहे हैं। मुरिलम कट्टरपथी आक्रमक हो गये हैं और बांगलादेश के कई इलाकों में अल्पसंख्यकों पर हमले आम बात हो गयी है। उनकी घर-दुकानों से आग लगा दिया जा रहा है, या लूटारा की घटाना को अंजाम दे रहे। बांगलादेश के इंडिजिनस राइट एक्टिविस्ट खोखन सुतीन मुर्गू बताते हैं कि संताल गांवों में लोग पूरी रात जाग कर पहरेदारी कर रहे। हर पल उन्हें अनहोनी की आपादा बनी रहती है। दिनाजपुर में संताल के वीर शहीद स्वतंत्रता सेनानी सिद्धो-कानू की मूर्ति खाड़ित कर दी गयी। वे फहले से भी मुरिलम समुदाय की उपेक्षाओं से आहत थे, लेकिन वे आक्रमक नहीं थे, इसलिए जीवन संघर्षपूर्ण किन्तु सामान्य था। उन्होंने बताया कि ज्यादातर संताली बच्चे स्कूलों से डॉप आउट हो जाते हैं। शिक्षा की स्थिति बेहद खराब है। वे कहते हैं कि भारत के जिस ऊंच नीच और अछूत की बातें वो सुनते आये हैं वो उसे अपने बांग्लादेश में बचपन से देखते सहेते आ रहे हैं। इस सवाल पर वो भावुक हो जाते हैं, जब झारखंड के संताल परगना में बांग्लादेश घुसपैठिये ना केवल सुकून से जो रहे, बल्कि दूसरे के लिए सिररुद्ध बनते जा रहे हैं। जबवां में वो कहते हैं, संताल परगना में भी बांग्लादेशी घुसपैठिये हावी हैं और यहां ते उनका ही देश है। देखते हैं हमारे संताल भाइयों को हमारा दर्द किनारा छू पायेगा! क्या उनके लिए भारत और अन्य हिस्सों से आवाजें उठेंगी।

जमात-ए-इस्लामी की तख्तापलट में सबसे बड़ी भूमिका
जमात-ए-इस्लामी की तख्तापलट में सबसे बड़ी भूमिका बतायी जाती है। जिसका गठन ब्रिटिश काल में 1941 में इस्लामवादी लेखक सैयद अब्दुल मोट्टूदी ने लाहौर में किया था। 1971 में इसे बांग्लादेश में बैन कर दिया गया, लेकिन 1975 में हुए सैन्य तख्तापलट के बाद जमात पर से प्रतिवंध हटा दिया गया और जमात-ए-इस्लामी बांग्लादेश का गठन किया।

जैसा हिंदू भाइयों के लिए भारत में उठ रही है।

बांगलादेश में 45 विशेष अल्पसंख्यक समूह में सबसे महत्वपूर्ण और बड़ी आबादी संतालों की है, जो अब अपनी सुक्ष्मा को लेकर चिंतित दिखायी पड़ रही। बांगलादेश में संताल प्रमुख रूप से ग्रेटर सिलहट और उत्तरबंगाल राजशाही, दिनाजपुर, रंगपुर, गोपांधा, नोआगांव, बागुरा, सिराजगंज, चैपैनवालांग, नटोर, दिनाजपुर आदि जगहों पर प्रमुख रूप से निवास करते हैं। उन इलाकों में संताल के साथ उराव, मुटा और महतो, महली भी हैं, जो अल्पसंख्यक का दर्जा पाते हैं। भेदभाव और संकट वाली परिस्थिति उनके साथ भी है। बांग्लादेश में किसकी सरकार बनेगी, लोकतंत्र की या इस्लाम की। इससे बड़ी चिंता वहां के अल्पसंख्यकों के अस्तित्व की है, जो महज 0.3% में मुंडा, उराव, गारो, भील, महली इत्यादि अल्पसंख्यक हैं।

(लेखक : रांची प्रेस क्लब के अध्यक्ष हैं)

कलम कलम बढ़ाये जा

ज्ञारखंडवासियों के लिए संदेश

78 वां स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर संकल्प

शांति सद्भाव लाना है।
उत्तराधि/अपराध मिटाना है।

मुस्तफा अंसारी

झारखण्ड रत्न से सम्मानित
सामाजिक कार्यकर्ता
अनगढ़ा, रांची, झारखण्ड

मो.-6204119174

पिछड़ा वर्ग (OBC) एकता अधिकार मंच, झारखण्ड प्रदेश

जिसकी जितनी संख्या भारी
उसकी उतनी हिस्सेदारी

ओ.बी.सी. का जो बात करेगा
वही सत्ता पर राज करेगा



पिछड़ा वर्ग (OBC) एकता !!

78 वां स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर
पिछड़ा वर्ग (OBC) एकता अधिकार मंच,
झारखण्ड प्रदेश की ओर से
समस्त देशवासियों को



ज्ञारखण्डवासियों की हार्दिक शुभकामनाएं

- ◀ संकल्प पिछड़े वर्ग के समाज को अधिकार दिलाने का
- ◀ संकल्प पिछड़े वर्ग के समाज के राजनीतिक प्रतिनिधित्व का
- ◀ संकल्प पिछड़े वर्ग के समाज के हित में कार्य करने का
- ◀ संकल्प पिछड़े वर्ग के समाज को सभी क्षेत्रों में भागीदारी दिलाने का
- ◀ संकल्प पिछड़े वर्ग के समाज की आवाज बनाने का



ब्रह्मदेव प्रसाद (बी.डी. प्रसाद)

केन्द्रीय अध्यक्ष
पिछड़ा वर्ग (OBC) एकता अधिकार मंच (झारखण्ड प्रदेश)

मोरहाबादी में झंडोतोलन समारोह की तैयारी पूरी स्वतंत्रता दिवस समारोह का किया गया फुल ड्रेस रिहर्सल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। स्वतंत्रता दिवस पर मोरहाबादी मैदान में आयोजित झंडोतोलन समारोह को लेकर मंगलवार को कुल ड्रेस रिहर्सल किया गया। इस दौरान स्वतंत्रता दिवस को होनेवाली गतिविधियों को दुहराया गया। प्रमंडलाय आयुक दक्षिणी छोटानगपुर प्रमंडल अंजनी मिशा ने पेरेड की सलामी ली एवं वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन सिन्हा द्वारा सभी पार्टीयों को पेरेड से संबंधित आवश्यक दिवस-निर्देश दिये गये। स्वतंत्रता दिवस पर मोरहाबादी मैदान में आयोजित झंडोतोलन समारोह के लिए प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों की ज्वांटंड ब्रीफिंग भी हुई। इस दौरान पुलिस-प्रशासनिक पदाधिकारियों को उपायुक-सह-जिल दंडधिकारी, रांची एवं वरीय पुलिस अधीक्षक, रांची द्वारा जारी संयुक्तादर्श के बारे में जानकारी दी गयी। सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को उपायुक-सह-जिल दंडधिकारी, रांची एवं वरीय पुलिस अधीक्षक, रांची द्वारा जारी संयुक्तादर्श के बारे में जानकारी दी गयी।



पदाधिकारियों को मुख्य अतिथियों को समामय कार्यक्रम स्थल लाने का कार्य सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि सभी गणमान्य लोगों को समामन उनके निधारित स्थान में बैठें।

ब्रीफिंग के दौरान वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन सिन्हा ने कहा कि कार्यक्रम में आयोजित समस्या एवं वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन सिन्हा से हुए एवं दिवस-निर्देश दिया गया। उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने कहा कि सभी प्रतिनियुक्त प्रशासनिक-पुलिस पदाधिकारी अपने-अपने प्रतिनियुक्त प्रशासनिक-पुलिस एवं वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन सिन्हा का कार्य एवं दिवस-निर्देश दिया गया।

उपायुक्त एवं वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन सिन्हा समारोह स्थल का मुआयना कर रोप आवश्यक से समझ ले। उन्होंने सभी संबंधित

स्वतंत्रता दिवस समारोह में हिस्सा लेनेवाले विभिन्न प्लाटून निम्न हैं:

- सीआरपीएफ- एक प्लाटून
- आईटीवीपी -एक प्लाटून
- सीआईएसएफ- एक प्लाटून
- एसएसवी- एक प्लाटून
- बिहार पुलिस-एक प्लाटून
- झारखंड जग्यार-एक प्लाटून
- जैप-1-एक प्लाटून एवं एक प्लाटून बैंड पार्टी
- जैप-20-एक प्लाटून एवं एक प्लाटून बैंड पार्टी
- रांची पुलिस (मारिल)- एक प्लाटून
- रांची पुलिस (पुरुष)-एक प्लाटून
- होमगार्ड-एक प्लाटून एवं एक प्लाटून बैंड पार्टी
- एनसीआर-एक प्लाटून (गल्सर)
- एनसीसी-एक प्लाटून (व्यौजा)

का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया गया।

हेमंत राज में अपराधियों का मनोबल चरम पर: बाबूलाल



मरांडी ने कहा कि झारखंड की हत्या पर धरती फिर एक निर्देश संथाल आदिवासी के खून से रक्खरात हो गयी। हजारीबाग के खिलाफ बोलने में तैनात संथाल आदिवासी हबलवार चोहन हेंब्राम की हत्या कर मो शहीद अंसारी फराह हो गया। उन्होंने कहा कि कौम विशेष के लोग सरकार के संरक्षण में सुनियोजित साजिश के तहत आदिवासीयों को खत्म करने पर तुले हुए हैं। बांग्लादेशी घुसपैठियों के पक्ष में छाती पीटने वाले हेमंत सोरेन आदिवासियों की हत्या पर लेते हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी बेटियां घुसपैठियों के हाथों प्रताड़ित हो रही हैं और प्रदेश के मुख्यमंत्री उत्सव मना रहे हैं। मरांडी ने कहा कि झारखंड पुलिस तत्काल आरोपी को गिरफतार कर कही अपनी सक्रियता और धरती के लिए उत्सव में जारी रखने की जिम्मेदारी लेते हैं।

कुर्सी को बचाने के लिए चिंतित हैं हेमंत: प्रतुल

पिंजे पैने पांच वर्षों में लगभग 7000 नईया बालाकार की शिकार हुई, सरकार इस मुद्दे पर असंवेदनशील रहे? झारखंड की नईयां की इस सरकार में 50 टकड़े किये गये, जिनमें जारी दी गयी, सैकड़े सानुविक बालाकार हुए।

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शादेव ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के द्वारा रक्षाबंधन के दिन साकेतिक रूप से कुछ महिलाओं को मर्यादा समान योजना की पहली स्तरीय की 1000 राशि देने की घोषणा की नैटवर्क कर दिया। प्रतुल ने कहा कि रक्षाबंधन के दिन हेमंत सोरेन अपनी सरकार की रक्षा के लिए यह द्वामेवाजी कर रखे हैं। प्रतुल ने कहा कि मुख्यमंत्री को स्पष्ट करना चाहिए कि उनकी सरकार ने तो गरीब महिलाओं को 8000 रुपये मर्हीना देने का बाद अपने निश्चय पत्र में किया था, उसका क्या हुआ? 2000 प्रतिमात्र चूल्हों के ऊपर 6000 गरीब परिवारों को देने का साक जिक्र है निश्चय पत्र में। प्रतुल ने कहा कि अब चुनाव

योजनाओं को जमीन पर उतारने में हेमंत सोरेन सरकार फिसड़ी साबित हुई

प्रतुल ने कहा कि हेमंत सरकार का डिलीवरी मैकेनिज्म वेसे भी बहुत ही घटिया है। सरकार ने 26 जनवरी, 2022 को पूरे तामाजाम के साथ गरीबों के लिए 25 प्रति लीटर पेट्रोल सिसड़ी की शुरूआत की थी। ये योजना अब लगभग बंद हो गयी है। अबुआ आवास में सिर्फ वित्तीय वर्ष 2023-24 में पहली किस्त जारी की गयी है। जैप-2 राज्य में एक भी अबुआ आवास आज तक बन कर तयार नहीं हुआ। मंडियां समान योजना में वित्त मंत्री सफ कह रहे हैं कि आक्रमिक वित्ति से इस वित्तीय वर्ष में सिर्फ 1000 कोरेड रुपये का प्रावधान किया गया है, जबकि एक महीने में 50 लाख महिलाओं को इस योजना में 500 कोरेड देने पड़े। प्रतुल ने जानना चाहा कि तो यह सरकार मान रही है कि वह सिर्फ दो महीने की झुलझुला है और उसके बाद योजना बंद हो जायेगी। प्रतुल ने कहा कि इस सरकार में लूट, खासाट, भृत्यांशुर, भाई भीतीजावाद इतने बहम पर रहा कि जनता इनको अच्छे से जान गयी है। आगामी चुनाव में इस सरकार का सफाया होना तय है।

सैकड़े समाजिक दुष्कर्म की घटनाएं पहले दो वर्षों में दुप्रीचय गयी हैं। उन्होंने कहा कि जिंदा किंवदं एक बोल छिड़क के द्वारा दिलाया गया। प्रतुल ने कहा कि यह खेत पत्र जारी करके बताना कभी नहीं करेगा, यह खेत पत्र सरकार को चाहिए कि कितने मामलों में इससे सरकार की कलई खुल जायेगी।

बताताकारीयों को सजा दिलायी और उनके मामलों में अभी भी चार्जर्शेट भी नहीं हुआ। प्रतुल ने कहा कि यह खेत पत्र सरकार की जारी नहीं करेगी, इससे सरकार की कलई खुल जायेगी।

अद्वितीय वित्तीय वर्ष में इससे सरकार की कलई खुल जायेगी।

प्रतुल ने कहा कि अब चुनाव

मानव हाथी संघर्ष निराकरण का वैज्ञानिक प्रबंधन जरूरी: बैद्यनाथ

विनयगीव प्रबंधन की एक लंबी और गैरवशाली पांचपारा है।

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। विश्व हाथी दिवस पर बोलते हुए मैंना नामवाही संघर्ष पर अंतरराष्ट्रीय कार्यसाला का आयोजन किया गया। इसमें स्कूली शिक्षा एवं सांस्कृतिक वैज्ञानिक समाजीयों की प्रमुखता है। कुछ समय से मैनव की आगे बढ़ने की प्रत्यावर्ती विवरणों के बीच संघर्ष की स्थिति उत्पन्न कर दी है।

उसके परिणामस्वरूप अप्रिय विश्वित्यों उत्पन्न हो रही हैं और इसमें दोनों पक्षों की जान माल की हानि हो रही है। आयोजन कर्ता करके सरकार की ओर से किया गया है।

मैनव हाथीवाही विवरणों के बीच संघर्ष की स्थिति उत्पन्न कर दी है।

मैनव हाथीवाही विवरणों के बीच संघर्ष की स्थिति उत्पन्न कर दी है।

और वन्यजीव प्रबंधन की एक लंबी और गैरवशाली पांचपारा है।

विवरणों के बीच संघर्ष की स्थिति उत्पन्न कर दी है।

और वन्यजीव प्रबंधन की एक लंबी और गैरवशाली पांचपारा है।

और वन्यजीव प्रबंधन की एक लंबी और गैरवशाली पांचपारा है।

और वन्यजीव प्रबंधन की एक लंबी और गैरवशाली पांचपारा है।

और वन्यजीव प्रबंधन की एक लंबी और गैरवशाली पांचपारा है।

और वन्यजीव प्रबंधन की एक लंबी और गैरवशाली पांचपारा है।

और वन्यजीव प्रबंधन की ए

संपादकीय



बांगलादेश में हमले बंद हों

बांगलादेश में मरी उथल-पुथल का कुछ प्रभाव भारत पर पड़ा। अस्वाभाविक नहीं माना जायेगा, लेकिन इस प्रभाव के चलते यहाँ भी कुछ इलाकों में लोगों पर भूंड के हमले होने लगे, यह बात स्वाभाविक नहीं कही जायेगी। बांगलादेश में ही रहे हमलों की चौतरफा निंदा हो रही है। वहाँ की अंतरिम सरकार को जल्द से जल्द हालात काबू में करने की ज़रूरत है।

बांगलादेश में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद जिस तरह से वहाँ अल्पसंख्यक हिन्दुओं को निशाना बनाने की खबरें आईं, उससे भारत में बैचैनी स्वाभाविती थी। हालांकि इसमें दृष्ट्याचार का तत्व भी था। कहा गया कि सोसाल मीडिया पर उपरान्ह और तस्वीरों के तरिके सरकार को बांगलादेश कर फैलायी जा रही है। मगर इसमें यो राय नहीं कि वहाँ हमले हुए, जिन पर काबू पाने की कोशिश वहाँ का प्रशासन कर रहा है। जब भी कोई समाज या देश किसी बड़े बदलाव या अनिश्चितता से गुजरता है, तो असामिक तत्व उस स्थिति का बेजा पायदा डाने की कोशिश करते हैं। पड़ोसी बांगलादेश आजकल जिस तरह के हालात से गुजर रहा है, उसमें भारत की सरकार ही नहीं, लोग भी उससे सहानुग्रहीत रखते हैं।

भारत इन धूमैतीयों से निपत्ति में बांगलादेश की हरसंभव मदद करने को भी तैयार है। प्रधानमंत्री ने देश को बांगलादेश की अपासना ने भी बांगलादेश की हरसंभव मदद करने को गौरता है।

लेकर गंभीर चिंता जाती है। इस बीच ओंडिशा के कुछ जिलों में बांगलादेशी लोगों को निशाना बनाने की खबरें चिंताजनक हैं। हालांकि हिंसा की कोई बड़ी घटना नहीं हुई है, लेकिन कई ऐसे बींडियों सामने आये हैं, जिनमें कुछ लोग बांगला भवियों को बांगलादेशी कहते हुए उन्हें परेशान करते देखे गये हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ओंडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी से बात करके इन घटनाओं पर ध्यान देने का अनुरोध भी किया है। वहाँ समझना होगा कि बांगलादेश के अलग-अलग हिस्सों में रुद्री तरह से उसका अंतरिक ममला है। उसे ठीक रखने का बहुत की सरकार और प्रशासन का है, लेकिन उसे मुद्दा बनाकर देश के अंतर कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने की कोई भी जानी-अनजानी कोशिश खतरनाक हो सकती है। पश्चिम बंगाल के लोग देश के अलग-अलग हिस्सों में रहते हैं। बांगला बोलनेवालों के खिलाफ इस तरह की बोई भी युहिं उके में असुश्च की भावना बढ़ा सकती है। अगर किसी इलाके में अवैध बांगलादेशी भी रहते हों, तो उनके खिलाफ कानून सम्पत्ति कार्रवाई करने का अधिकार और दायित्व प्रशासन का है। अगर असामिक तत्वों का कोई हिस्सा अपनी तक पर देश के अंतराल और सख्ती से रोका जाना चाहिए।

इस घिनौने 15 अगस्त को लाने वाले

अभिमत आजाद सिपाही

यकीनन सत्ता पर बैठे तीन आदमी गवर्नर जनरल लाई माझटेटन, धर्म के नाम पर पाकिस्तान मांगने वाले मोहम्मद अली जिन्ना और बेबस पॉडिट जवाहर लाल नेहरू। इन्होंने कसने की चौतरफा निंदा हो रही है। वहाँ की अंतरिम सरकार को जल्द से जल्द हालात काबू में करने की ज़रूरत है।

बांगलादेश में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद जिस तरह से वहाँ अल्पसंख्यक हिन्दुओं को निशाना बनाने की खबरें आईं, उससे भारत में बैचैनी स्वाभाविती थी। हालांकि इसमें दृष्ट्याचार का तत्व भी था। कहा गया कि सोसाल मीडिया पर उपरान्ह और तस्वीरों के तरिके सरकार को बांगलादेश विनियोगी देश बनाने की चौतरफा निंदा हो रही है। मगर इसमें यो राय नहीं कि वहाँ हमले हुए, जिन पर काबू पाने की कोशिश वहाँ का प्रशासन कर रहा है। जब भी कोई समाज या देश किसी बड़े बदलाव या अनिश्चितता से गुजरता है, तो असामिक तत्व उस स्थिति का बेजा पायदा डाने की कोशिश करते हैं। पड़ोसी बांगलादेश आजकल जिस तरह के हालात से गुजर रहा है, उसमें भारत की सरकार ही नहीं, लोग भी उससे सहानुग्रहीत रखते हैं।

भारत इन धूमैतीयों से निपत्ति में बांगलादेश की अपासना ने भी बांगलादेश की हरसंभव मदद करने को गौरता है।

आज की पीढ़ी को इन बातों का चित्त-चेता ही नहीं। इस पीढ़ी को बस इतना पता है कि आज के दिन रंगांग प्रोग्राम होंगे, ममीं या जिलायी झड़ा कर फैलायेंगे। पेरड की जायेंगी, सलाली लोंगे, दो एक शरीरों के नाम दोहरायेंगे, स्कूली बच्चे गिरायेंगे। भंगाड़ा डालेंगे, अगले दिन छुड़ी होंगी, स्वतंत्रता सेनानियों को अंगवस्त्र ऑढ़ायेंगे और कुछ मेरे जैसे तथा कथित समाज सेवकों को प्रशंसा प्रदान किए जायेंगे। शेष समाज का 15 अगस्त से कोई तालिका नहीं। मजदूर अपनी पत्नी, बच्चों समेत पत्थर तोड़ते नजर आ जाएंगे। उनके बच्चे तब तक परथरों पर ध्यान देने का अनुरोध भी किया है। वहाँ समझना होगा कि बांगलादेश के अलग-अलग हिस्सों में रुद्री तरह से उसका अंतरिक ममला है। उसे ठीक रखने का बहुत की सरकार और प्रशासन का है, लेकिन उसे मुद्दा बनाकर देश के अंतर कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने की कोई भी जानी-अनजानी कोशिश खतरनाक हो सकती है। पश्चिम बंगाल के लोग देश के अलग-अलग हिस्सों में रहते हैं। बांगला बोलनेवालों के खिलाफ इस तरह की बोई भी युहिं उके में असुश्च की भावना बढ़ा सकती है। अगर किसी इलाके में अवैध बांगलादेशी भी रहते हों, तो उनके खिलाफ कानून सम्पत्ति कार्रवाई करने का अधिकार और दायित्व प्रशासन का है। अगर असामिक तत्वों का कोई हिस्सा अपनी तक पर देश के अंतराल और सख्ती से रोका जाना चाहिए।

उनके बच्चे तब तक परथरों पर ही सोये रहेंगे। गरीब की जोंपड़ी बरिश में टपकती रहेंगी। बड़ू-बूदू आचार से हाथ पर रख दो रोटी खा लोंगे। सड़कें, गलियां नालियां-नाले गंदी से भरे रहेंगे और 15 अगस्त अपनत से समाज समागम होते रहेंगे। नवी पीढ़ी वालों हैं, न कमाल की आजादी।

इस घिनौने 15 अगस्त को लाने वाले

मोहन लाल

15 अगस्त यारी सावन का महीना तब लगातार बारिश, नदियाँ-नाले उफान पर थे, 1947 में तो नदी-नालों पर पुल भी नहीं होते थे, मूसलाधार बारिश ऊपर से भारत के बंटवारे की घोषणा, मूसलम लोग का डायरेक्ट एक्सेन नान जिसमें लाखों बेगुनाह हिन्दुओं का कल्प हिंदू-मूसलमानों में आपसी चिंची तलवारें निरंतर 'अल्लाह-हू-अक्बर' गुंजते नारे और ऊपर से देश बंटवारे की घोषणा कैसा संयोग बना कि 15 अगस्त से पहले ही 1947 आ गया, जिसमें सब कुछ वह गया, बर्बाद हो गया। देश का बंटवारा ही नहीं हुआ, दिल बंट गये। न कायदा, न कोई कानून। 10 लाख मासूम लोग इस 15 अगस्त से लौट लिये। करोड़ों हिन्दू-सिख उज़इ कर भारत आने के लिए शरणार्थी बांगला देश में आये। नारी जाति का अपमान किसी देश में ऐसा नहीं हुआ, जितना 15 अगस्त देखने के इंतजार में भारत में हुआ।

आज की पीढ़ी को इन बातों का चित्त-चेता ही नहीं। इस पीढ़ी को बस इतना पता है कि आज के दिन रंगांग प्रोग्राम होंगे, ममीं या जिलायी झड़ा कर फैलायेंगे। पेरड की जायेंगी, सलाली लोंगे, दो एक शरीरों के नाम दोहरायेंगे, स्कूली बच्चे गिरायेंगे। भंगाड़ा डालेंगे, अगले दिन छुड़ी होंगी, स्वतंत्रता सेनानियों को अंगवस्त्र ऑढ़ायेंगे और कुछ मेरे जैसे तथा कथित समाज सेवकों को प्रशंसा प्रदान किए जायेंगे। शेष समाज का 15 अगस्त से कोई तालिका नहीं। मजदूर अपनी पत्नी, बच्चों समेत पत्थर तोड़ते नजर आ जाएंगे। उनके बच्चे तब तक परथरों पर ध्यान देने का अनुरोध भी किया है। वहाँ समझना होगा कि बांगलादेश के अलग-अलग हिस्सों में रुद्री तरह से उसका अंतरिक ममला है। उसे ठीक रखने का बहुत की सरकार और प्रशासन का है, लेकिन उसे मुद्दा बनाकर देश के अंतर कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने की कोई भी जानी-अनजानी कोशिश खतरनाक हो सकती है। पश्चिम बंगाल के लोग देश के अलग-अलग हिस्सों में रहते हैं। बांगला बोलनेवालों के खिलाफ इस तरह की बोई भी युहिं उके में असुश्च की भावना बढ़ा सकती है। अगर किसी इलाके में अवैध बांगलादेशी भी रहते हों, तो उनके खिलाफ कानून सम्पत्ति कार्रवाई करने का अधिकार और दायित्व प्रशासन का है। अगर असामिक तत्वों का कोई हिस्सा अपनी तक पर देश के अंतराल और सख्ती से रोका जाना चाहिए।

उनके बच्चे तब तक परथरों पर ही सोये रहेंगे। गरीब की जोंपड़ी बरिश में टपकती रहेंगी। बड़ू-बूदू आचार से हाथ पर रख दो रोटी खा लोंगे। सड़कें, गलियां नालियां-नाले गंदी से भरे रहेंगे और 15 अगस्त से एक अपनत से समाज समागम होते रहेंगे। नवी पीढ़ी वालों हैं, न कमाल की आजादी।

इस घिनौने 15 अगस्त को लाने वाले



कौन थे? यकीनन सत्ता पर बैठे तीन आदमी गवर्नर जनरल लाई माझटेटन, धर्म के नाम पर पाकिस्तान मांगने वाले मोहम्मद अली जिन्ना और बेबस पॉडिट जवाहर लाल नेहरू। इन्होंने कसमें खायी थीं कि बंटवारे में एक बूदं भी इंसानी खून नहीं बहने देंगे। लाई माझटेटन ने लौटाया था। न कायदा, न कोई कानून। 10 लाख मासूम लोग इस 15 अगस्त से लौट लिये।

आजाद भारत की सरकारों ने 76 वर्ष के कालखेड़ में इन्हें दोपी ठहराया? नसहार के जिम्मेदार इन स्तराधारियों के विरुद्ध मुकदमा चलाया? कम से कम वर्तमान प्रधानमंत्री 1947 की नरसंहार घटनाओं की जांच के लिए एक आयोग का गठन तो कर देते। 1947

पूर्व तट रेलवे सुरंगों में बनायेगा बैलास्टलेस तकनीक से ट्रैक

कोरोना-प्रभाव पर रोड-बैगुडा और काकिरीगुम्मा स्टेशनों के बीच 600 मीटर लंबी सुरंग इस पद्धति तरह से पूरी होनेवाली है।

पूर्व तट रेलवे में निर्माणाधीन परियोजनाओं में सुरंगों भी इस पद्धति का पालन करेगी।

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। पूर्व तट रेलवे अपने

अधिकार क्षेत्र में नयी परियोजनाओं का निर्माण करते समय रेलवे सुरंगों में उन्नत गिरी

रहित ट्रैक तकनीक अपना रहा है।

यह रणनीतिक कदम विशेष रूप से चुम्बकीय पूर्व तट रेलवे की सुरक्षा और परिवहन के लिए बहुत ज्ञानी है।

यह रणनीतिक कदम विशेष रूप से चुम्बकीय पूर्व तट रेलवे के कोरोना-प्रभाव परियोजनाओं के साथ सुरंगों में उन्नत गिरी

रहित ट्रैक तकनीक अपना रहा है।

उन्नत स्थानिक और दीर्घायु :

कम धिसाव और टैट-फूटः

पारंपरिक गिरी वाले ट्रैक की तुलना में गिरी रहित ट्रैक की

मजबूत होती है और उन्हें कम खरखात की आवश्यकता होती है।

गिरी की अनुपस्थिति गिरी के

क्षरण और स्थानांतरण जैसी

समस्याओं को समाप्त कर देती है,

जो ट्रैक के गलत सरेखण का

कारण बन सकती है।

लंबा नियनकाल : कंक्रीट और स्टील

जैसी गिरी रहित परियोजने में उत्तेजना

की जाने वाली सामग्री, लंबे समय

तक संयोजन करने के साथ

परिचालन संबंधी व्यवधान कम

होते हैं, जिससे ट्रैक सेवाओं की

दश्तता और विश्वसनीयता बढ़ जाती है।

जिससे हवा की गुणवत्ता में सुधार

होता है और सफाई की

आवश्यकता कम हो जाती है।

त्रैक सेवारी आराम

और शोर में कमी

आसान सवारी : गिरी रहित परियोजनों का कठोर निर्माण यात्रियों के लिए कम कंपन और शोर के साथ एक आसान सवारी सुनिश्चित करता है।

सुरंगों में यह एक महत्वपूर्ण लाभ

है, जहां शोर के स्तर को अन्यथा

बढ़ावा जा सकता है।

स्थान का कुशल उपयोग

कार्यक्रम डिजाइन : गिरी रहित ट्रैक का कॉम्पैक्ट डिजाइन सुरंग में

जागह के अधिक कुशल उपयोग

की अनुमति देता है।

यह शरीरी

क्षेत्रों में विशेष रूप से फायदेमंद है

उत्तरने का जोखिम कम होता है।

यह स्थिरता सुरंग वातावरण में

विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

डिजाइन में लंचीलापन : गिरी की

अनुपस्थिति इंजीनियरों को सुरंग

प्रोफाइल डिजाइन करने, निर्माण

लागत की अनुमति

देने और अधिक लंचीलापन देती है।

उत्तरन स्थानिक और दीर्घायु :

कम धिसाव और टैट-फूटः

पारंपरिक गिरी वाले ट्रैक की

तुलना में गिरी रहित ट्रैक की

मजबूत होती है और उन्हें कम

खरखात की आवश्यकता होती है।

गिरी की अनुपस्थिति गिरी के

क्षरण और स्थानांतरण जैसी

समस्याओं को समाप्त कर देती है,

जो ट्रैक के गलत सरेखण का

कारण बन सकती है।

इस गिरी रहित ट्रैक प्रणाली को

पूर्व तट रेलवे के भीतर चल रही

विभिन्न परियोजनाओं की

नियनकालीन परियोजनाओं

में सुरंगों भी इस पद्धति का

पालन करेगी।



तालचेर-बिमलगढ़ नवी रेलवे लाइनों पर सुरंग बनाने का काम लंबी है। ब्लास्ट-मुक्त रेलवे स्थिरता और सुरक्षा : बेहतर ट्रैक स्थिरता : गिरी के बिना, ट्रैक संरचना अधिक कठोर होती है, जिससे लगातार सरेखण सुनिश्चित करता है। सुरंगों में यह एक महत्वपूर्ण लाभ है, जहां शोर के स्तर को अन्यथा बढ़ावा जा सकता है।

स्थान का कुशल उपयोग

कार्यक्रम डिजाइन : गिरी रहित ट्रैक का कॉम्पैक्ट डिजाइन सुरंग में जागह के अधिक कुशल उपयोग की अनुमति देता है। यह शरीरी क्षेत्रों में विशेष रूप से फायदेमंद है उत्तरने का जोखिम कम होता है।

यह स्थिरता सुरंग वातावरण में

विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

डिजाइन में लंचीलापन : गिरी की अनुपस्थिति इंजीनियरों को सुरंग

प्रोफाइल डिजाइन करने, निर्माण

लागत की अनुमति

देने और अधिक लंचीलापन देती है।

उत्तरन स्थानिक और दीर्घायु :

कम धिसाव और टैट-फूटः

पारंपरिक गिरी वाले ट्रैक की

तुलना में गिरी रहित ट्रैक के

मजबूत होती है और उन्हें कम

खरखात की आवश्यकता होती है।

गिरी की अनुपस्थिति गिरी के

क्षरण और स्थानांतरण जैसी

समस्याओं को समाप्त कर देती है,

जो ट्रैक के गलत सरेखण का

कारण बन सकती है।

इस गिरी रहित ट्रैक प्रणाली को

पूर्व तट रेलवे के भीतर चल रही

विभिन्न परियोजनाओं की

नियनकालीन परियोजनाओं

में सुरंगों भी इस पद्धति का

पालन करेगी।

त्रैक सेवारी आराम

और शोर में कमी

आसान सवारी : गिरी रहित परियोजनों का कठोर

कंपन और शोर के साथ एक

आवश्यकता होती है।

सुरंगों में यह एक महत्वपूर्ण लाभ

है, जहां शोर के स्तर को अन्यथा

बढ़ावा जा सकता है।

स्थान का कुशल उपयोग

कार्यक्रम डिजाइन : गिरी रहित ट्रैक का कॉम्पैक्ट डिजाइन सुरंग में

जागह के अधिक कुशल उपयोग

की अनुमति देता है।

जो सुरंगों के समय

परिवहन तरंग होती है।

यह स्थिरता सुरंग वातावरण में

विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

डिजाइन में लंचीलापन : गिरी की

अनुपस्थिति इंजीनियरों को सुरंग

प्रोफाइल डिजाइन करने, निर्माण

लागत की अनुमति

देने और अधिक लंचीलापन देती है।

उत्तरन स्थानिक और दीर्घायु :

कम धिसाव और टैट-फूटः

ब्रीन कॉर्नर

फ्लैट नं. 103, एस्टर ब्रीन अपार्टमेंट, सी ब्लॉक,
कॉके रोड, रांची, झारखण्ड

वार्षिक बिक्री सह प्रदर्शनी

14 और 15 अगस्त 2024

जूली अग्रवाल ने अपने गार्डनिंग के शौक को आगे बढ़ाते हुए ब्रीन कॉर्नर नाम से अपने सोशल मीडिया पेज की शुरुआत की थी। यह उनके द्वारा स्वयं घर से संचालित है। ब्रीन कॉर्नर में घर और ऑफिस को सजाने के लिए अनेक प्रकार के पौधे उपलब्ध हैं।



जूली अग्रवाल
संपर्क करें 9835717217

आप इस प्रदर्शनी का हिस्सा बनके प्रकृति को हरा-भरा रखने में सहयोग दें।

सरझुकते हैं देश के जवानों के अद्वितीय दर्दों
जो कुर्बान हो गए देश की हिफाजत में।

रामरत्न प्रदेशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

“जिन महान सेनानियों के
प्रयास से हमें आजादी मिली
उन्हें शत-शत नमन ,”

सत्यानन्द भोगता
श्रम मंत्री, झारखण्ड सरकार

भुवनेश्वर-पुरी सड़क छह लेन होगी : मुख्यमंत्री

आजाद सिपाही संचादन

भुवनेश्वर। मुख्यमंत्री मोहन माझी ने सड़क और परिवहन मंत्री से मुलाकात के बाद बड़ी जानकारी दी। प्रेस कॉन्फ्रेंस से मुख्यमंत्री ने कहा कि भुवनेश्वर से पुरी तक सवीस गेड बनायी। कहा कि 4 लेन बाली इस सड़क को 6 लेन बनायी जायेगी। इस पर 18 सौ करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे। वर्ती, चंद्रीखोल से बड़बिल तक की सड़क का भी 8 लेन बनाया जायेगा। इसी तरह, खुर्दा-नगाड़ा



सड़क को 4-लेन और केसिंगा-जूनागढ़ को 4-लेन बनाने के लिए केंद्रीय सड़क और बुनियादी ढांचा

पाठी प्राप्त हुई है। सेतुबंध योजना के लिए ओडिशा को 250 करोड़ रुपये का अनुदान भी मिला है। मुख्यमंत्री मोहन माझी ने बताया कि कुल परियोजना 21 हजार 650 करोड़ रुपये की होगी।

पूर्व तट रेलवे के महाप्रबंधक ने ‘हर घर तिरंगा’ अभियान को घोषित करने के लिए अपने आवास पर राष्ट्रीय धज फहराया

आजाद सिपाही संचादन

भुवनेश्वर। पूर्व तट रेलवे (इसीओआर) के महाप्रबंधक श्री परमेश्वर फुंकवाल ने 13 से 15 अगस्त 2024 तक ‘तिरंगा’ अभियान के उपलक्ष्य में अपने आवास पर राष्ट्रीय धज फहराया है। श्री फुंकवाल ने पहले सभी रेलवे कर्मचारियों से अभियान में भाग लेने की अपील की थी और मंडल मुख्य एसटीएफ को वन्यजीव मामलों में 100 प्रतिशत

सजा दर मिली

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। ओडिशा पुलिस के विशेष कार्य बल ने वन्यजीव मामलों में कथित तौर पर 100 प्रतिशत दोष सिद्धि दर हासिल की है। यह घटनाक्रम तब सम्पन्न आया जब उप-विधायी न्यायिक मजिस्ट्रेट, सोनपुर की अदालत ने आज दो आरोपियों को दोषी करार दिया। अदालत ने कथित तौर पर जिले के कपासिया क्षेत्र के सेमनाथ बाग उर्फ रेंचौ और गिथिलामाल के मस्लान भेंगरा को एसटीएफ पीएस के संख्या 26/2020 में आईपीसी की धारा 411 और वन्य जीव अधिनियम, 1972 की धारा 51 के तहत दोषी ठहराया है। अदालत ने दोनों आरोपियों को वन्य जीव अधिनियम, 1972 की धारा 51 के तहत अपाराध करने के लिए 10,000 रुपये के जुर्माने के साथ तीन (3) साल के कठोर कारावास की सजा सुनायी और चूक होने पर 6 महीने के कठोर कारावास और आईपीसी की धारा 411 के तहत अपाराध करने के लिए एक साल के कठोर कारावास की सजा सुनायी। इस मामले में, 17.10.2020 को, एसटीएफ, भुवनेश्वर ने उपरोक्त अधिकुक्तों को सौंपा जिले के राजाकोटी के पास सड़क पर रोका, जब वे सोनपुर से बिरमहाराजपुर की ओर जा रहे थे। तलाशी के दौरान, उनके कब्जे से एक जीवित पैगेलिन और पैगेलिन के तराजू बरामद किये गये।



अधिकारियों और मंडल रेलवे अधिकारियों का रेलवे सीमाओं के भीतर कर्मचारियों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था।

स्वतंत्रता दिवस
की शुभकामनाएं



PAKUR POLYTECHNIC COLLEGE

Affiliated with Jharkhand University of Technology, Ranchi • ISO 9001-2015 certified Institution
Beside New DC Office (Combined Building), Pakur-816 107 (Jharkhand)

07484840028, 8092583025-26 • pakurpolytechnic@gmail.com



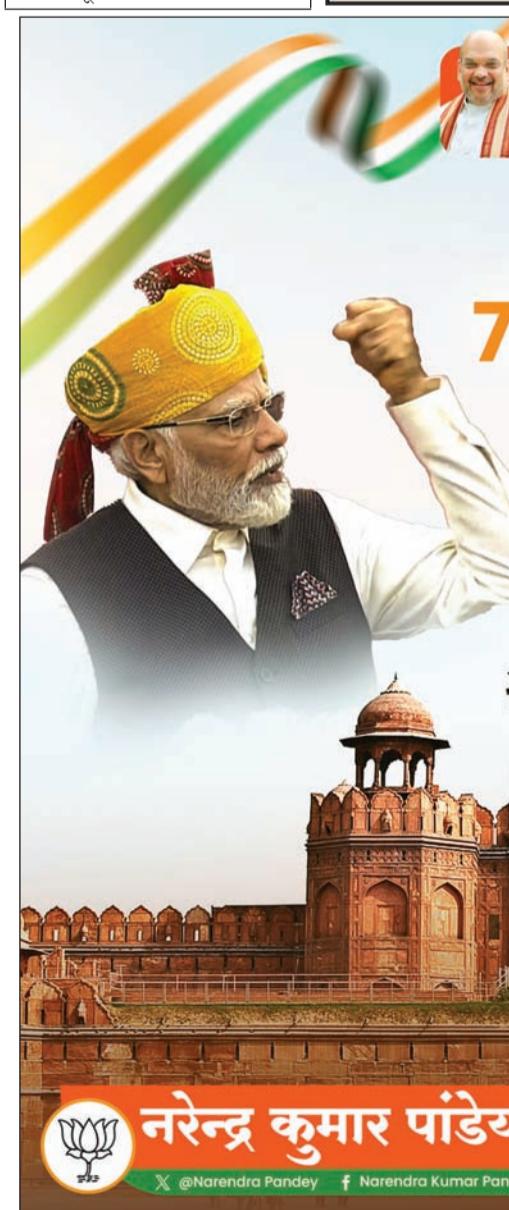
विश्रामपुर- मङ्गिअंव विधानसभा के अंतर्गत समस्त जनता, कार्यकर्ताओं मध्य देश, प्रदेश के सभी जनता जनादिन को

77 वें स्वतंत्रता दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं।

माँ भाटी की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वसंमिलित कर्म करने वाले महान क्रांतिकारियों एवं स्वतंत्रता सेनानियों को कोटि कोटि वंदन।

आइए 77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देश के लिए बलिदान दृष्ट समस्त स्वतंत्रता सेनानियों के उच्च आदर्शों को पुनः याद कर भारत की उन्नति में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।



प्रदेश कार्यसमिति सदस्य,
भारतपा डारल्सप्ल

77 विश्रामपुर- जङ्गिअंव विधानसभा

